(c) Government had decided to appoint a committee to study the working of the sugar industry in the context of the demand for the nationalisation of sugar undertakings. The constitution of the Committee and the finalisation of the terms of reference are being processed.

Strike in Engineering Industry in Jamshedpur

*100. SHRI C. JANARDHANAN :
SHRI YOGENDRA SHARMA :
DR. RANEN SEN :
SHRI MANIBHAI J. PATEL :

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) what were the demands of the workers in TELCO, Jamshedpur Engineering and Manufacturing Co., Indian Steel Wire Products, Tata Rolling Faster and Indian Tube Company, who were on strike for 48 days recently ; and

(b) what were the steps taken by Government to settle that dispute and on what terms the strike was called off on the 4th January, 1970 ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI D. SANJIVAYYA) (a) The workers' demand was for an immediate upward revision of wages to the extent proposed by them.

(b) The Government of Bihar had appointed a Tripartite Committee to go into the matter in pursuance of an agreement reached in September, 1969. The workers, however, went on strike before the Committee could conclude its work. Conciliation proceedings were held by the State Government and agreements were reached between some of the managements and their recognised unions on the question of wage revision. The strike was called off following an appeal issued by the Minister of State in the Ministry of Labour on the 3rd January, 1970.

रबी की फसल के खाद्यान्नों का अनुमान

*101. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष रबी की फसल के विभिन्न खाद्यान्नों का अनुमानत : कितना उत्पादन हुआ है ;

(ख) विभिन्न खाद्यान्नों की वसूली के क्या लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं तथा वह कितने मूल्य के हैं ; और

(ग) इस सम्बन्ध में विभिन्न राज्य सरकारों की क्या प्रतिक्रिया है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) अनुमान है कि 1969-70 के बिपड़न मौसम में गेहूं और अन्य रबी फसलों का उत्पादन लगभग 254 लाख मीटरी टन हुआ है। हालांकि इस समय अगली रबी की फसल के सम्बन्ध में ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता है फिर भी आशा है कि वह मौजूदा फसल से बेहतर ही होगी ।

(ख) 1969-70 में बिकने वाली 1968-69 की रबी फसल का कोई अधिप्राप्ति लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया था क्योंकि देशी लाल गेहूं को छोड़कर सभी किस्मों के लिए निर्धारित 76 रुपये प्रति क्विंटल के अधिप्राप्ति मूल्य पर पेश की गई गेहूँ की सारी मात्रा को खरीद लेने के लिए सरकार वचनबद्ध थी। 1970-71 में बिकने वाली 1969-70 की फसल के लिए अधिप्राप्ति लक्ष्यों और मूल्यों पर राज्य सरकारों के परामर्श से मौसम के शुरू होने पर विचार किया जायेगा ।

(ग) अधिप्राप्ति मूल्य राज्य सरकारों के परामर्श से निर्धारित किये जाते हैं।

केन्द्रीय यंत्रीकृत फार्म, सूरतगढ़ के श्रमिकों की मांगे

* 102 श्री बृजराज सिंह—कोटा : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा